हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

Agrisearch with a human touch

किसान मेला एवं नवाचार सम्मेलन

13–15 सितम्बर, 2018

निमंत्रण

भा.कृ.अनु.प. – केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान,
जोधपुर 342 003, राजस्थान

किसान भाईयों व बहनों,

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आपको किसान मेले का निमंत्रण देते हुए हमें अपार हर्ष है। इस वर्ष भी संस्थान में कृषि मेला व कृषि नवाचार दिवस का आयोजन **13–15 सितम्बर, 2018** को किया जा रहा है। कृषि प्रधान देश भारत में कृषकों का योगदान देश की आर्थिक प्रगति का मुख्य आधार रहा है। वर्तमान में देश का कुल खाद्यान उत्पादन 27 करोड़ टन को पार कर गया है। कृषि क्षेत्र में उत्पादन वृद्धि का श्रेय किसान और विज्ञान दोनों को दिया जाता है। कृषि क्षेत्र में नवाचार की विपुल संभावनाएं हैं। जो किसान पंरम्परागत कृषि में नवाचार को अपना रहे हैं उनकी आर्थिक स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है। भारत सरकार नें किसानों की आय को 2022 तक दो गुना करने का लक्ष्य रखा है। कृषि व कृषक के प्रति राष्ट्रीय दृष्टिकोण में यह एक सुखद परिवर्तन है। राजस्थान प्रदेश में कृषि मुख्यतः वर्षा आधारित है। प्राकृतिक संसाधनों जैसे जल, मृदा व सौर ऊर्जा के समुचित उपयोग, वनीकरण, पशुपालन, प्रसंस्करण तकनीक, कृषि उत्पादन आर्थिकी व प्रसार हेतु अनुसंधान एवं विकास के लिए 1959 में केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान की स्थापना जोधपुर में हुई थी। संस्थान द्वारा शुष्क क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के लिए टिब्बा स्थिरीकरण, शेल्टर बैल्ट प्लांटेशन (हरित पट्टी), माईक्रो विन्ड–ब्रेक, घास की स्ट्रिप क्रॉपिंग, क्षारीय भूमि प्रंबधन का जिप्सम द्वारा उपचार, उन्नत टांका, खडीन एवं नाडी निर्माण की तकनीकें विकसित की गईं। क्षेत्र में सौर ऊर्जा की विपुल उपलब्धता के कारण संस्थान द्धारा कई सौर उपकरण विकसित किये गये है। काजरी सौर ऊर्जा उपयोग के साथ–साथ सौर क्षेत्र में खेती की प्रणाली विकसित करने वाला देश में पहला संस्थान है। यहाँ 105 किलोवाट क्षमता वाले फोटो वोल्टेइक सौर संयत्र से बिजली उत्पन्न की जाती है तथा वर्षा जल संग्रहण के साथ–साथ इस संयत्र के नीचे दलहनों की सफलतापूर्वक खेती की जा रही है।

किसान भाईयों और बहनों, सीमित प्राकृतिक संसाधनों से युक्त यह क्षेत्र अनेक समस्याओं जैसे अपर्याप्त वर्षा, उच्च तापमान, तीव्र वायु गति, उच्च वाष्पीकरण दर, भू–क्षरण, मिट्टी व पानी की क्षारीयता व भूमिगत जल के अत्यधिक दोहन से ग्रसित है। बढ़ती मानव और पशु संख्या, आर्थिक संसाधनों का अभाव, अशिक्षा, पारम्परिक खेती के तरीके व सूखे की समस्या का इस क्षेत्र के निवासियों को निरन्तर सामना करना पड़ता है। परिणामस्वरूप क्षेत्र में आजीविका में स्थायित्व नहीं है इसलिए विकास की राह पकड़ने के लिए कृषि उद्यानिकी, वानिकी, पशुपालन, मूल्य संवर्धित उत्पाद इत्यादि तकनीकियों का किसानों द्वारा नवाचार करना आवश्यक है। पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए उपचारित चारा, बहु–पोषण तत्व युक्त पशु आहार बट्टिका, पूर्ण आहार बट्टिका, स्थानीय उन्नत नस्ल के दुधारू पशुओं के संरक्षण व संवर्धन की प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा विकसित की गई है। कुमट के पेड़ से 500 ग्राम तक उच्च गुणवत्ता युक्त गोंद प्राप्त करने का इंजेक्शन भी संस्थान में विकसित किया गया है। शुष्क उद्यानिकी ने संस्थान का नाम देश व विदेशों में रोशन किया है। यहां विकसित बेर की गोला व सेव प्रजातियों के पौधे दूर–दूर से किसान आकर ले जाते हैं। अनार, अंजीर, बेर व आंवले के उन्नत पौधों की मांग भी किसान समुदाय में हमेशा रहती है। इन फलों का परिरक्षण कर जैम, जैली, कैण्डी, मुरब्बा, स्क्वैश आदि बनाकर विक्रय करने से आय में वृद्धि होती है।

इन प्रौद्योगिकियों को किसानों तक सही व सरल तरीके से पहुंचाने के लिए संस्थान द्वारा एकल खिड़की योजना के अन्तर्गत कृषि तकनीक सूचना केन्द्र, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए **प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व प्रशिक्षण विभाग** व किसानों को "कार्य करके पढ़ाओ" और "कार्य करके सीखो पद्धति" पर **कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना जोधपुर, पाली व भुज में की गई है।** संस्थान द्वारा किसान, महिलाओं, युवा, स्कूल के बच्चों, विषय विशेषज्ञों आदि को प्रशिक्षण दिया जाता है। किसानों की समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए फोन सेवा 0291–2786812 उपलब्ध है।

कृषि मेले में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के विभिन्न संस्थान, भारत एवं राज्य स्तर के कृषि एवं पशुपालन से सम्बन्धित विभाग, गैर सरकारी व निजी संस्थानों द्वारा प्रदर्शनी के माध्यम से उन्नत तकनीकियों व उत्पादों की जानकारी किसानों को दी जाएगी। काजरी के अनुसंधान प्रक्षेत्र का भ्रमण एवं किसान गोष्ठी का आयोजन भी किया जाएगा। इस गोष्ठी में किसान लगभग 50 विशेषज्ञों से सीधा संवाद कर सकेंगे।

किसान मेला एवं नवाचार दिवस के प्रमुख आकर्षण

- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न संस्थान, राज्य कृषि विश्वविद्यालय, राज्य के कृषि एवं पशुपालन विभाग और इनसे सम्बन्धित सार्वजनिक उपक्रम एवं निजी क्षेत्र के बीज उत्पादन संगठन, कृषि यन्त्र निर्माता आदि की 50 से अधिक स्टालों पर विभिन्न तकनीकियों और सेवाओं का प्रदर्शन किया जायेगा। बहुत से उत्पादों की बिक्री एवं तकनीकियों की जानकारी उपलब्ध कराई जायेगी।
- किसानों को इस दौरान संस्थान के विभिन्न अनुसंधान क्षेत्रों का भ्रमण कराया जायेगा, जिसमें फसलों का क्षेत्र प्रदर्शन, अनुसंधान फार्म, पशुपालन व नर्सरी, जैविक खेती सौर ऊर्जा ईकाई, कृषि तकनीक सूचना केन्द्र और अन्य अनुसंधान क्षेत्र सम्मिलित होंगे।
- इस दिन किसान गोष्ठी का भी आयोजन किया जायेगा, जिसमें किसान कृषि, पशुपालन संबंधी अपनी समस्याओं के बारे में वैज्ञानिकों से सीधा संवाद कर सकेंगे।
- नवाचारी/अभिनव प्रयोग व वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग करने वाले दस किसानों (महिला/पुरूष किसान) को शुष्क क्षेत्र में विभिन्न तकनीकी द्वारा कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया जायेगा।
- यह मेला राजस्थान के विभिन्न भागों से आये कृषकों एवं कृषक महिलाओं के लिए आपस में बात–चीत करके विभिन्न कृषि उत्पादन एवं पशुपालन के अभिनव तरीकों का आदान–प्रदान करने का भी एक सुनहरा अवसर है।
- जो किसान अपने खेत की मिट्टी व पानी की जांच कराना चाहते हैं तथा मिट्टी व पानी के नमूने साथ लेकर आएं हैं वह संस्थान के प्रवेश द्वार पर स्थित कृषि तकनीक सूचना केन्द्र में इन्हें जमा करवा सकते हैं।
- कृषि मेले में किसान M-Kisan portal पर किसानों का पंजीकरण भी किया जायेगा। इससे उनको नवीनतम कृषि जानकारी मोबाईल पर मिलने लगेगी।
- किसान भाइयों से निवेदन है कि मेले में अपना उत्कृष्ट उत्पाद साथ लेकर आयें तथा प्रतियोगिता में भाग लें व पुरस्कार प्राप्त करें। निम्न फसलों के पौधे, व फल के प्रतियोगिता में सम्मिलित किया जाएगा।

• बाजरा– सिट्टा सहित (2–3 पौधे)	• अरण्डी–बीज युक्त शाखाएँ, 1 से 1.5 फुट लम्बी (दो)
• मूंग– फलियों के गुच्छे सहित (1 पौधा)	• ग्वार– फलियों सहित (2–3 पौधे)
• मोठ– फलियों के गुच्छे सहित (1 पौधा)	• तिल–बीज डोडी सहित (2पौधे)
• काचरा –एक नग	• लौकी– एक नग

आधुनिक युग में कृषि में डिजिटल क्रांति ने किसानों के लिए अनेक सुविधाओं का सृजन किया हैं। सूचना तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एम–किसान, ई–किसान, किसान कॉल सेंटर, फसलबीमा पोर्टल, काजरी कृषि मोबाईल एप, कृषि तकनीक सूचना केन्द्र, किसान सुविधा मोबाईल एप्लिकेशन आदि शुरू की गई हैं।

निम्नलिखित वेबसाईट पर अधिक जानकारी प्राप्त कर किसान लाभान्वित हो सकते हैं उत्कृष्ट उत्पाद प्रतियोगिता की प्रविष्टियाँ केवल प्रथम दिन ली जाएगी तथा परिणाम भी इसी दिन जारी किये जाऐगें। कृपया मेले में भोजन ग्रहण कर अनुग्रहित करें ।

जैसेः–www.icar.org.in; www.cazri.res.in; www.mkisan.gov.in; www.enam.gov.in; www.help.agri_insurance@gov.in टोल फ्री नम्बर 1800–180–1551, इमेलः–director.cazri@icar.gov.in काजरी फोन सुविधा 0291–2786812

नोट : यदि कोई संगठन/संस्थान/NGO अपने कृषि सम्बन्धी उत्पाद प्रदर्शनी में रखना चाहते हैं तो कृपया पूर्व सूचना देने का कष्ट करें।

डॉ. प्रतिभा तिवारी
सम्भांगाध्यक्ष एवं मेला संयोजिका

डॉ. ओ.पी. यादव
निदेशक, काजरी

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं प्रशिक्षण संभाग
भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान,
जोधपुर 342 003, राजस्थान

फोन :– 0291–2786632, 2786812, 2786584
Website :www.cazri.res.in
e-mail: director.cazri@icar.gov.in